

न्यायालय सहायक कलक्टर जयपुर शहर (द्वितीय), जयपुर

केस संख्या :/20....

उनवान:-

बनाम

प्राप्त दिनांक 5/2/20
पुस्तक संख्या
पुस्तक/पत्रिका संख्या
न्यायालय सहायक कलक्टर जयपुर शहर (द्वितीय)
पुस्तक संख्या/पत्रिका संख्या
पुस्तक संख्या 21/20

7/2/25

~~पक्षीय प्रार्थी/वादी की ओर से प्रार्थना पत्र वाकत
ग्रीष्म सुनारि कर वाद विद्वा विप्रो जाने फेर करे
वाद पत्रवली नियत पेशी से पूर्व आर्गनाड पेशी या
ली जरी वादी स्वयं उप/वादी उपाय निवेदन विभा
ग्राह्य डि उभयपक्षों के मध्य राजीनामा ही मुगटे
स्वीकृति वाद के शत्रे नही चलाना चाहते है
वादी उपाय अपनी ओरुम निशानी ग्रेडिंग पर ग्रेडिंग
की, जिसकी पटवान वकील वादी उपाय की उरि
जब स्वयं वादी वाद के शत्रे नही चलाना चाहते
हे ली वाद के शत्रे नसोपे जाने का कौर मोसिल
नही है मलय अर्धी वादी का शत्रुव स्वीकृति
जाका वादी का वाद विद्वा के कारिज मिया
जाता है पत्रवली मेलत मुगटे होउर दफि नेवर
से उम होउर सावित दफर हो निवेदन
माफ विप्रो ग्रीष्म के लिखापाना कर लेते इपलात
सुनारि गमा 9.~~



श्री. डि. वा. म. म. म.
पदम मंड
प. नि.
7/2/25